"सदस्यों को प्रभावी समय प्रबंधन का महत्व समझना चाहिए ", लोक सभा अध्यक्ष

नई दिल्ली, 02 मार्च, 2015 : लोक सभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन ने आज संसदीय ज्ञानपीठ में लोक सभा सचिवालय के संसदीय अध्ययन तथा प्रशिक्षण ब्यूरो द्वारा महाराष्ट्र विधानमंडल के नव-निर्वाचित सदस्यों के लिए आयोजित प्रबोधन कार्यक्रम का उद्घाटन किया । इस अवसर पर बोलते हुए श्रीमती सुमित्रा महाजन ने कहा कि सदन की कार्यवाही का निर्विघ्न संचालन देश और हमारे समाज के विकास हेतु अत्यन्त आवश्यक है । उन्होंने आगे कहा कि जनता में विधायकों के सदन में आचरण को लेकर एक नकारात्मक छवि बनती जा रही है और लोग अब हो-हल्ला नहीं बल्कि अपनी समस्याओं का समाधान चाहते हैं । अतः विधायकों को यह समझना चाहिए कि अध्यक्ष के आसन की गरिमा बनाए रखना संसदीय लोकतंत्र की पूर्वापेक्षा है ।

अध्यक्ष महोदय ने विधानमंडलों में सदस्यों की उपस्थिति के महत्व को इंगित करते हुए कहा कि उन्हें सदन की कार्यवाही में सार्थक ढंग से भाग लेने का मौका तभी मिलेगा जब वे नियमित रूप से गंभीर दृष्टिकोण से सदन की कार्यवाही में भाग लेंगे । इस संदर्भ में उन्होंने समितियों में सदस्यों के सार्थक योगदान पर बल दिया । उन्होंने विचार व्यक्त किया कि सदस्यों को प्रभावी समय प्रबंधन का महत्व समझना चाहिए जिससे वे संक्षिप्त व व्यवस्थित तरीके से सदन में अपनी बात रख सकें ।

श्रीमती महाजन ने विधायकों को सुझाव दिया कि सदन की कार्यवाही में भाग लेते हुए उन्हें न केवल विषयों की समुचित जानकारी होनी चाहिए बल्कि उन्हें इससे उत्पन्न निष्कर्षों के संदर्भ में अपने क्षेत्र की समस्याओं और आवश्यकताओं पर विचार करना चाहिए । उन्हें यह समझना चाहिए कि उनके क्षेत्र के लोग उनके कार्यों का अंतिम मूल्यांकन करते हैं । यदि विधायक उनका भरोसा जीत सकें तो उनका राजनीतिक कार्यकाल निश्चित ही बढ़ता है ।

लोक सभा सचिवालय का संसदीय अध्ययन तथा प्रशिक्षण ब्यूरो (बीपीएसटी) महाराष्ट्र विधानमंडल के नव-निर्वाचित सदस्यों के लिए **2-4** मार्च, **2015** तक प्रबोधन कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है ।

इस अवसर पर बीपीएसटी के प्रतीकचिन्ह (लोगो) का भी लोकार्पण किया गया ।